[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1302 **F**

Unique Paper Code : 2052101201

Name of the Paper : हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

Name of the Course : **बी.ए. (विशेष) हिंदी**

Semester / Type : II / DSC

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्न पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (3×9=27)

(क) त्रिजटा नाम राच्छसी एका । राम चरन रति निपुन बिबेका ।।

सबन्हौ बोलि सुनाएसि सपना । सीतहि सेइ करहु हित अपना ।।

सपनें बानर लंका जारी । जातुधान सेना सब मारी ।।

खर आरूढ़ नगन दससीसा । मुंडित सिर खंडित भुज बीसा ।।

P.T.O.

अथवा

एके कहै अमल कमल मुख सीताजू को,
एकै कहै चंदसम आनँद को कंद री।
होइ जी कमल तौ रयनि में न सकुचै री,
चंद जौ तौ बासर न होइ दुति मंद री।
बासर ही कमल रजनि ही में चंद,
मुख बासर हू रजनि बिराजै जगवंद री।
देखे मुख भावै अनदेखई कमल चंद,
तातें मुख मुखै सखी कमलै न चंद री।

(ख) बिन गोपाल बैरिन भई कुंजें।
तब ये लता लागति अति सीतल, अब भई ज्वाल की पुंजे ।।
बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलें, अलि गुंजें।
पवन पानि घनसार संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजे।
ए, ऊधो, कहियो माधव सों बिरह कदन करि मारत लुंजे।
सूरदास प्रभु को मग जोवत आँखियाँ भई बरन ज्यों ज्यों गुंजै

अथवा

मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ ।

जा तन की झाँई परै स्यामु हरित - दुति होई ।।

लिखन बैठि जाकी सबी गहि गहि गरब गरूर ।

भए न केते जगत के चतुर चितेरे कूर ।।

(ग) रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै ।

त्यों इन आँखिन बानि अनोखी अघानि कहूँ नहिं आन निहारियै ।

एक ही जीव हुतौ सु तौ वारयौ सुजान सकोच औ सोच सहारियै ।

रोकी रहै न, दहैं घनआनंद बावरी रीझ की हाथनि हारियै ।।

अथवा

इंद्र जिमि जंभ पर, बाडव सुअंभ पर । रावन सदंभ पर रघुकुलराज है ।

पौन बरिबाह पर, संभु रतिनाह पर ज्यौं सहस्त्रबाह पर, राम द्विजराज है ।।

दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड पर भूषण बितुंड पर, जैसे मृगराज है ।

तेजतम अंस पर कान्ह जिम कंस पर त्यों मलेच्छ बंस पर, शेर सिवराज है ।

2. तुलसीदास की भक्ति-भावना का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

केशव की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए।

3. सूरदास के "भ्रमरगीत सार" का अपने शब्दों में विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

मुक्तक काव्य की दृष्टि से बिहारी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

4. घनानंद की शृंगारिक भावना का विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

"भूषण का काव्य राष्ट्रीय-सांस्कृतिक एकता को प्रकट करता है" इस कथन का युक्तियुक्त विवेचन कीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए **(किन्हीं दो पर)** (2×9=18)

(i) तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल की भावना

(ii) सूरदास की काव्य भाषा

(iii) केशव का आचार्यत्व

(iv) बिहारी की सौंदर्य चेतना

(v) रीतिमुक्त कवि घनानंद

(vi) वीर काव्य परंपरा और भूषण

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1610 **F**

Unique Paper Code : 2052201201

Name of the Paper : Hindi Kavita (Madhyakal Aur Aadhunik-kal)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Type of the paper : **DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. निम्नलिखित पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (10×3=30)

(क) कबीर पूंजी साह की, तूं जिनि खोवै ख्वार।

खरी बिगुचनी होइगी, लेखा देती बार।।

कबीर सांई सूं सब होत है, बन्दे थैं कुछ नाही।

राई थैं परवत करें, परवत राई माहिं।।

अथवा

नीच गुड़ी ज्यों जानिबो, सुनि लखी तुलसीदास।
ढीलि दिए गिरि परत महि, खैंचत चढत अकास।।
तुलसी अपनों आचरन, भलो न लागत कासु।
तेहि न बासत जो खात, नित लहसुनह को वासु।।

(ख) अंग-अंग नग जगमगत दीप सिखा-सी देह।
दिया बढाएं हूँ रहैं बडोउज्ज्यारो गेह।।
जब-जब वै सुधि कीजिये, तब-तब सब सुधि जाहि।
आँखिन आँखि लगि रहै, आँखि लागति नाहि।।

अथवा

श्रीमान मिला दें उन्हें तो श्रीमती कहती वहीं -
"पैरो न लल्ला को हमारे, नौकरी करनी नहीं"
मिटो! तुम्हारा नाश हो, तुम नौकरी के हित बनी,
लो मुखेंते! जीती रहो, रक्षक तुम्हारे हैं धनी।।

(ग) जीवन में वह था एक कुसुम
थे उसपर नित्य निछावर तुम
वह सूख गया तो सूख गया

मधुबन की छाती को देखो
सूखी कितनी इसकी कलियाँ
मुरझाई कितनी वल्लरियाँ
जो मुरझाई फिर कहाँ खिली
पर बोलो सूखे फूलों पर
कब मधुबन शोर मचाता है
जो बीत गई सो बात गई

अथवा

जी हाँ हुजुर, मैं गीत बेचता हूँ,
मै तरह-तरह के गीत बेचता हूँ,
मैं किसिम-किसिम के गीत बेचता हूँ
जी, माल देखिए, दाम बताऊँगा,
बेकाम नहीं है, काम बताऊँगा,
कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैने,
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैंने,
यह गीत सख्त सर-दर्द भुलायेंगा,

2. कबीर की सामजिक-चेतना पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

तुलसीदास की आषा 'जनमानस की भाषा' है- इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

3. मैथिली शरण गुप्त कृत "रईसों के सपूत" कविता का मूल भाव लिखिए । (15)

अथवा

"हिमालय के आंगन में" कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।

4. "हरिवंश राय बच्चन" कृत 'जो बीत गई सो बात गई' कविता का संदेश सविस्तार लिखिए । (15)

अथवा

'गीत-फरोश' कविता में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

5. किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) सूरदास का वात्सल्य

(ख) कबीर की भाषा

(ग) बिहारी की श्रृंगारिकता

(घ) नागार्जुन का साहित्यिक परिचय

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3158 **D**

Unique Paper Code : 2052201101

Name of the Paper : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (DSC-1)

Name of the Course : **B.A (Programme) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी भाषा के उद्भव पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

लौकिक साहित्य एवं धार्मिक साहित्य पर विस्तार से चर्चा करते हुए दोनों के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

2. संतकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए। (15)

अथवा

कृष्ण काव्य का महत्व बताते हुए उसकी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

3. रीतिकालीन कविता का सामान्य परिचय दीजिए। (15)

अथवा

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

4. द्विवेदी युग की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

नाटक के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (10+10+10=30)

(i) बिहारी हिंदी

(ii) धार्मिक साहित्य

(iii) संत काव्य

(iv) भारतेनुयुगीन नाटक

(v) नई कविता

(1000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1622 **F**

Unique Paper Code : 2052201202

Name of the Paper : Hindi Ka Maukhik Sahitya Aur Uski Parampara

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi – DSC (A OR B)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : (8+8=16)

(क) छापक पेड़ छिउलिया त पतवन गहवर हो ।

रामा, तेहि तर ठाढ़ि, हरिनिया, मन अति आन मनि ।।

चरइत चरत हरिनवा त, हरिनी से पूछइ़ हो ।

हरिनी । कि तोरा चरहा झुरान, कि पानी बिनु मुराझिउ ।।
नाहीं मोर चरहा झुरान, न पानी बिनुं मुरझिउँ हों ।
हरिना, आजु राजा जी के छट्ठी, त तोहइ मारि डरिहाई ।।
मचियै बैठी कौसिल्या रानी, हरिनी अरज करइ हो ।
रानी मंसुआ त सीझंहि करहिया, खलेरिया हम्मै देतिउ ।।

अथवा

होली बी खेलै ढपली बजा कै गलियाँ में उड़ए गुलाल ।
कहियो सुरैटण सै होली खेलण आवै नवाब ।
हँसलो घड़ावै फिरंगी को लड़को कठलौ घड़ावै नवाब ।
कहियो मुरैटण तै होली खेलण नवाब । आवै
ऐसी होली खेली मिरगानैणी म्हारा साफा की रखियों लहाज ।

(ख) पिया मोर, मति जा हो पुरुबवा ।
पुरब देस में टोना बेसी बा, पानी बहुत कमजोर । पिया मोर ...
सुनत बानी आँख पानी देत बा, सारी भइल सरबोर । पिया मोर ...
एक नाथ बिनू मन अनाथ रहीं, घुसी महल में चोर । पिया मोर ...
कहत 'भिखारी' हमारी ओर देखिऽ, 'कतिना करीं निहार ? पिया मोर ...

अथवा

बरखा, पाप अउर पुन्य - गंगा की के आवै ते पापिन का बड़ा फायदा भी । जो कोउ गंगा नहाय ल्यात उइ तरिके बैकुंठे पहुँचि जात रहा । ई तरा तेसरग लोक माँ मनइन के आबादी बाढ़े लागि । तब एक दिन भगवान जमराज के बोलाय कै पूछेनि कि जमराज जी, का कलजुग खतम होइगा? जमराज बोले - भगवन! कलजुग अबै कइसे खतम होइ जाइ, अबै त सुरुआत भय है। तब भगवान कहेनि - जो कलजुग नाहीं खतम भा आय तौ सरग माँ भीड़ काई लगे लागि है । का अब सबै परमात्मा पैदा होय लग है!

2. मौखिक साहित्य की अवधारणा स्पष्ट कीजिए । (15)

अथवा

हिन्दी प्रदेश के प्रमुख लोकगीतों का परिचय देते हुए उनकी लोकप्रियता पर प्रकाश डालिए ।

3. भोजपुरी क्षेत्र के विवाह और जतसारी गीतों के सांस्कृतिक परिदृश्य की व्याख्या कीजिए । (15)

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित श्रम सम्बन्धी गीतों का सार लिखिए ।

4. लोककथा और लोकगाथा में अंतर स्पष्ट करते हुए लोरिक लोकगाथा का सार लिखिए। (15)

अथवा

अवधी लोककथा के आधार पर लोककथा का सामान्य परिचय दीजिए।

5. लोक-नाट्य बिदेसिया का परिचय देते हुए इसका कथा-सार लिखिए। (15)

अथवा

लोकनाट्य 'रामलीला' का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित में **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7+7)

(क) नौटंकी

(ख) संस्कार गीत

(ग) लोक-गाथा आल्हा

(घ) कुमाऊँनी गीत

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1147 **F**

Unique Paper Code : 2051001002

Name of the Paper : Hindi Aupcharik Lekhan (Hindi-B)

Type of the Paper : AEC

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कार्यालयी हिन्दी का क्या अर्थ है। सरकारी कामकाज में इसका क्या महत्त्व है? विस्तार से लिखिए। (12)

अथवा

व्यावसायिक हिन्दी का अर्थ समझाते हुए लिखिए कि राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार में इसकी क्या भूमिका है?

2. सरकारी कार्यालयों में टिप्पण के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

(12)

अथवा

प्रारूपण लेखन क्या है? इसके प्रमुख भागो का उल्लेख कीजिए ।

3. 'स्ववृत्त' किसे कहते हैं ? इसके प्रमुख अंगों का परिचय दीजिए।

(12)

अथवा

कार्यालयी और व्यवसायिक पत्र लेखन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. विश्व व्यापार मेले पर एक प्रेस विज्ञप्ति तैयार कीजिए। (12)

अथवा

अपने महाविद्यालय के पुस्तकालय हेतु पुस्तक मंगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए- (6,6)

(क) विज्ञापन

(ख) परिपत्र

(ग) सूचना का अधिकार

(घ) मसौदा लेखन की रूपरेखा

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4455 **E**

Unique Paper Code : 52051222

Name of the Paper : MIL, Hindi-B Hindi Bhasha aur Sahitya

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (10,10,10)

(क) अति आनंद उमगि अनुरागा चरण सरोज पखारन लागा ।।
बरषि सुमन सुर सकल सिहाहीं । एहि सम पुन्यपुंज कोउ नाहीं ।।

अथवा

सात समंदर की मसि करौं, लेखनि सब बनराइ ।
धरनी सब कागद करौं, हरि गुण लिखा न जाए ।।

P.T.O.

(ख) सजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि,

सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है।

भूषण भनत नाद-बिहद नगारन के,

नदीनद मद गैबरन के रलत है।

ऐल-फैल खैल-भैल खलक में गैल-गैल,

गजन की ठैल-पैल सैल उसलत हैं।

अथवा

या अनुरागी चित की गति समुझे नहिं कोई।

ज्यौं ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्याँ त्यौं उज्जलु होई।।

(ग) वृक्ष हों भले खड़े,

हों घने हों बड़े,

एक पत्र छाँह भी,

माँग मत, माँग मत, माँग मत

अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।

अथवा

बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल।
लहरें टकरातीं अनन्त की, पाकर जहाँ किनारा।।
हेम कुम्भ ले उषा सवेरे, भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मंदिर ऊँघते रहते जब, जगकर रजनी भर तारा।

2. किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिये। (10)

(क) हरिवंशराय बच्चन

(ख) तुलसीदास

3. कबीर की भाषा शैली पर विचार कीजिए। (10)

अथवा

तुलसी के लोकमंगल का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

4. 'अग्निपथ' कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिये। (10)

अथवा

'अरुण यह मधुमय देश हमारा' गीत की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

5. किसी **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (5,5,5)

(i) रासो काव्य की विशेषताएं

(ii) बांग्ला भाषा का सामान्य परिचय

(iii) हिन्दी की विभिन्न बोलियां

(iv) प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृतियां

(v) भारतेन्दुकालीन राष्ट्रीय कविता

(vi) रामभक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएं

(500)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3157 **D**

Unique Paper Code : 2052201101

Name of the Paper : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (DSC-1)

Name of the Course : **B.A (Programme) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

1. आदिकालीन हिंदी की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए । (15)

अथवा

आदिकाल के लौकिक साहित्य की समीक्षा कीजिए ।

2. भक्तिकाल की निर्गुण-काव्य धारा का परिचय दीजिए । (15)

P.T.O.

अथवा

राम काव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

3. रीतिमुक्त काव्य का परिचय देते हुये उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। (15)

अथवा

रीतिसिद्ध काव्य किसे कहते हैं ? रीतिसिद्ध काव्य की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. भारतेंदु युग की प्रमुख प्रवृत्तियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। (15)

अथवा

हिंदी कहानी के विकास की रूपरेखा को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (10 + 10 + 10=30)

(i) पश्चिमी हिंदी

(ii) रासो साहित्य

(iii) कृष्ण काव्य

(iv) शुक्ल-पूर्व निबंध

(v) प्रगतिवाद

(1000)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1593 **F**

Unique Paper Code	: 2051001001
Name of the Paper	: Hindi Bhasha : Sampreshan aur Sanchar (Hindi-A)
Name of the Course	: **Common Prog. Group**
Semester	: II
Type of the Paper	: AEC

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. संप्रेषण और संचार के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

संप्रेषण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

2. संप्रेषण की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (12)

P.T.O.

अथवा

संप्रेषण के विभिन्न बाधक तत्वों की विवेचना कीजिए।

3. 'स्वच्छता और स्वास्थ्य' विषय पर एक सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार कीजिए। (12)

अथवा

ब्लॉग लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

4. अपने जीवन की किसी एक घटना को आधार बनाकर डायरी लिखिए। (12)

अथवा

'नई शिक्षा नीति 2020' पर एक संपादकीय लिखिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (6×2=12)

(क) जल और जीवन (अनुच्छेद लेखन)

(ख) लिखित संप्रेषण

(ग) प्रभावी संप्रेषण

(घ) संवाद लेखन

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2102 **F**

Unique Paper Code : 2051001001

Name of the Paper : Hindi Bhasha : Sampreshan Aur Sanchaar (Hindi-A)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Type of the Paper : AEC

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. संप्रेषण की अवधारणा क्या है? स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

संप्रेषण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

2. संप्रेषण में संचार की भूमिका की विवेचना कीजिए। (12)

अथवा

अन्त:वैयक्तिक और अन्तर्वैयक्तिक संचार की अवधारणा सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. अपने क्षेत्र में कूड़ा-निस्तारण की संभावनाओं पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। (12)

अथवा

'सड़क पर बढ़ता आक्रोश' विषय पर एक संपादकीय लिखिए।

4. संवाद लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

ब्लॉग लेखन क्या है? यह आपको समाज से किस प्रकार जोड़े रखता है, स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (6×2)

(क) सम्प्रेषण का उद्देश्य

(ख) संचार का महत्त्व

(ग) डायरी लेखन

(घ) मेरी अभिलाषा (अनुच्छेद-लेखन)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1534 **F**

Unique Paper Code : 2051001001

Name of the Paper : Hindi Bhasha : Sampreshan Aur Sanchaar (Hindi-A)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Type of the paper : AEC

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. विभिन्न विद्वानों के मतों का उल्लेख करते हुए संप्रेषण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

संप्रेषण और संचार के आपसी संबंध की समीक्षा कीजिए।

2. संप्रेषण प्रक्रिया के विभिन्न तत्वों का वर्णन कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

संप्रेषण का अर्थ बताते हुए इसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

3. अपने क्षेत्र में महिलाओं में जागरूकता अभियान चलाते हुए 'घरेलू हिंसा' विषय पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। (12)

अथवा

संपादकीय का अभिप्राय बताते हुए 'बालश्रम ; एक अभिशाप' विषय पर संपादकीय लिखिए।

4. संवाद लेखन का अर्थ स्पष्ट करते हुए संवाद लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

ब्लॉग लेखन क्या है? इसके महत्त्व को स्पष्ट करते हुए 'डिजिटल इंडिया' पर एक ब्लॉग लिखिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (6×2)

(क) संप्रेषण के आयाम

(ख) प्रतिपुष्टि (फीडबैक)

(ग) डायरी लेखन

(घ) मानव विकास और मानव मूल्य (अनुच्छेद लेखन)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1708 **F**

Unique Paper Code : 2056001002

Name of the Paper : रंगमंच (SEC 2)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : II

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाट्यशास्त्र की विशेषताओं का उल्लेख करें। (20)

अथवा

हिंदी के पारंपरिक रंगमंच 'रासलीला' का वर्णन करें।

2. ''आलेख का चयन प्रस्तुति प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है।' इस कथन का तर्कसंगत उत्तर दीजिए। (20)

अथवा

अभिनय के विभिन्न प्रकारों का परिचय देते हुए आंगिक अभिनय की विशेषताओं का उल्लेख करें।

3. अभिनय की तैयारी में शारीरिक अभ्यास एवं थियेटर गेम्स का क्या महत्व है? स्पष्ट करें। (20)

अथवा

मंच प्रस्तुति में रंग सामग्री एवं प्रचार प्रसार की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

4. **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए। (10 + 10 = 20)

(क) सेट

(ख) सीनवर्क

(ग) अभिनेता

(घ) पूर्वाभ्यास

(10,000)

Set B

कोर्स : Hindi

यूनिक पेपर कोड : 12051201_OC

शीर्षक : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

सेमेस्टर : II

पूर्णांक : 75 समय : 3 घंटे

आवश्यक निर्देश :

उत्तर देने के पूर्व प्रश्नों को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करें.

छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें.

प्रत्येक प्रश्न का अंक-विभाजन समान होगा ।

1. हिंदी साहित्य के काल विभाजन की समस्या पर विचार कीजिए।
2. आदिकाल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
3. नाथ और जैन साहित्य की विशेषताएं लिखिए।
4. भक्ति आंदोलन और उसके अखिल भारतीय स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
5. राम भक्ति धारा की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
6. रीतिकाल की सामान्य प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1151 **F**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. ईशावास्योपनिषद् का परिचय दीजिए । (15)

Give an introduction to the Īśāvāsyopanisad.

अथवा / OR

उपनिषदों की प्रमुख शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए ।

Shed light on the main teachings of the Upanishads.

2. अधोलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) ईश्वर

(Karma)

(ii) अयत्य

(Asatya)

(iii) विद्या – अविद्या

(Vidya-Avidya)

3. गीता के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। (15)

Clarify the purpose of the Gītā.

अथवा / OR

गीता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Shed light on the significance of the Gītā.

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** :

(i) समत्वबुद्धि

(Samatvabuddhi)

(ii) आत्मा की अमरता

(The Immortality of the Soul)

(iii) भक्तियोग की अवधारणा

(The Concept of Bhaktiyoga)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2146 **F**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. उपनिषद् शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए एवं उपनिषद् के वर्ण्य-विषय का विवेचन कीजिए । (15)

Explain the word meaning of Upaniṣad and describe the subject matter of Upaniṣad.

अथवा / OR

उपनिषद्दर्शन का विवेचन कीजिए ।

Discuss the philosophy of Upaniṣads.

2. अधोलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) कर्म

(Karma)

(ii) सत्य

(Satya)

(iii) आत्मन्

(Ātman)

3. गीता का सामान्य परिचय दीजिए । (15)

Give a general overview of the Gītā.

अथवा / OR

गीता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

Shed light on the significance of the Gītā.

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) ज्ञानयोग

(Gyānyoga)

(ii) भक्तियोग

(Bhaktiyoga)

(iii) कर्मयोग

(Karmayoga)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1539 **F**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Group**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. ईशावास्योपनिषद् के सार को अपने शब्दों में लिखिए । (15)

Write the summary of Īśāvāsyopaniṣad in your own words.

अथवा / OR

उपनिषदों की प्रमुख शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए ।

Shed light on the main teachings of the Upaniṣads.

2. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) कर्म सिद्धान्त

(The Doctrine of Karma)

(ii) सम्भूति

(Sambhūti)

(iii) ब्रह्म

(Brahm)

3. गीता के अनुसार स्थितप्रज्ञ के लक्षण बताइए । (15)

Describe the characteristics of Sthitapragya according to the Gītā.

अथवा / OR

गीता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

Shed light on the significance of the Gītā.

4. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2)

Write short notes on any **two** :

(i) निष्काम कर्म

(Nishkama Karma)

(ii) परमात्मा

(Paramātma)

(iii) ज्ञानयोग की अवधारणा

(The Concept of Gyānyoga)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 1738 **F**

Unique Paper Code : 2056001002

Name of the Paper : रंगमंच (SEC 2)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : II

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाट्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दें। (20)

अथवा

हिंदी के पारंपरिक रंगमंच का वर्णन करें।

2. प्रस्तुति प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का परिचय दें । (20)

अथवा

रंगमंच में अभिनय की भूमिका स्पष्ट करते हुए सात्विक अभिनय की विशेषताओं का उल्लेख करें।

3. संवाद-वाचन एवं शारीरिक अभ्यास का रंगमंचीय प्रस्तुति में क्या महत्व है? स्पष्ट करें। (20)

अथवा

सफल नाट्य प्रस्तुति में मंच प्रबंधन की क्या भूमिका है? वर्णन करें।

4. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (10+10=20)

(क) आलेख चयन

(ख) आंगिक अभिनय

(ग) अभिनेताओं का चयन

(घ) नाट्य अभ्यास

(5000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1417 **F**

Unique Paper Code : 2052201201

Name of the Paper : Hindi Kavita (Madhyakal Aur Aadhunikkal)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester / Type : II / DSC-3

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) कबीर पूँजी साह की, तूं जिनि खोवै ख्वार।

खरी बिगूचनि होइगी, लेखा देती बार।।

कबीर माला काठ की, कहि समझावै तोहि।

मन न फिरावै आपणां, कहा फिरावे मोहि।।

अथवा

हरि अपनैं आँगन कछू गावत ।
तनक-तनक चरननि सौं नाचत, मनहिं मनहिं रिझावत ।
बाँह उठाइ काजरी-धौरी, गैयनि टेरि बुलावत ।
कबहुँक बाबा नंद पुकारत, कबहुँक घर मैं आवत ।
माखन तनक आपनैं कर लै, तहक बदन में नावत ।

(ख) अंग-अंग नग जगमगत दीपसिखा-सी देह ।
दिया बढ़ाऐ हूँ रहै बड़ौ उज्यारौं गेह ।। ।।
केसरि कै सरि क्यौं सकै, चंपकु कितुक अनुपु ।
गात-रूप लखि जातु दुरि जातरूप कौ रूपु ।

अथवा

जब याद आती है बड़ों के उन सपूतों की कथा,
उनके सखा, संगी, विदूषक और दूतों की कथा ।
तब निकल पड़ते हैं हृदय से वचन ऐसे दुख भरे-
होवें न ऐसे पुत्र चाहे हो कुल-क्षय है हरे !

(ग) जिनकी सेवाएँ अतुलनीय
पर विज्ञापन से रहे दूर;
प्रतिकूल परिस्थिति ने जिनके
कर दिए मनोरथ चूर-चूर !
- उनको प्रणाम !

अथवा

जीवन में एक सितारा था
माना वह बेहद प्यारा था
वह डूब गया तो डूब गया
अम्बर के आनन को देखो
कितने इसके तारे टूटे
कितने इसके प्यारे छूटे
जो छूट गए फिर कहाँ मिले
पर बोलो टूटे तारों पर
कब अम्बर शोक मनाता है
जो बीत गई सो बात गई

2. कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिये । (15)

अथवा

तुलसी की भक्ति भावना की विवेचना कीजिए ।

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित 'बिहारी' के दोहों की विशेषताऐं लिखिए । (15)

अथवा

"'हिमालय के आँगन में' प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना व्यक्त हुई है" इस कथन की तर्कसंगत समीक्षा कीजिए ।

4. 'जो बीत गयी सो बात गयी' कविता में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए । (15)

अथवा

'उनको प्रणाम' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(i) सूरदास की भक्ति भावना

(ii) मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय

(iii) 'गीत-फरोश' कविता की मूल संवेदना

(iv) 'बीती विभावरी जाग री' कविता का उद्देश्य

701

Unique paper code: 52051221

Name of the paper : MIL, Hindi-A

Name of course: B.Com.(prog.)

Semester: II

Duration: 3 hours

Maximum Marks: 75

प्रश्न: 1 कबीरदास के दोहों में अभिव्यक्त सामाजिक दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मीरा के पदों में कृष्ण के प्रति गहरे विश्वास का भाव व्यक्त हुआ है- विचार कीजिए। 10

प्रश्न: 2 'हिमाद्रि तुंग शृंग से' अथवा 'अकाल और उसके बाद' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। 10

प्रश्न:3 'बिहारीलाल' अथवा 'मैथिलीशरण गुप्त' का साहित्यिक परिचय लिखिए। 10

प्रश्न:4 निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

(क) मरतु प्यास पिंजरा-परयौ सुआ समै कैं फेर।
आदरु दै दै बोलियतु बाइसु बलि की बेर॥
वे न इहाँ नागर, बढ़ी जिन आदर तो आब।
फूल्योअनफूल्यौ भयौ गँवई-गाँव, गुलाब॥

अथवा

तनक हरि चितवाँ म्हारी ओर।
हम चितवाँ थें चितवो णा हरि, हिबाड़ों बड़ो कठोर॥
म्हारी आसा चितवणि थारी, और न दूजा दौर॥
ऊभ्याँ ठाढ़ी अरज करूँ छूँ करतां करतां भोर॥
मीराँ रे प्रभु हरि अविनासी देस्यूं प्राण अँकोर॥ 10

(ख) कबीर इस संसार को, समझाऊँ कै बार।
पूँछ जु पकडै भेड़ की, उतरया चाहै पार॥
जैसी मुष तें नीकसै, तैसी चालै नाहिं।
मानिष नहीं ते स्वान गति, बाँध्या जमपुर जाहिं॥

अथवा

हिमाद्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती-
स्वयम्प्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती-
अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़-प्रतिज्ञ सोच लो

प्रशस्त पुण्य पंथ है-बढ़े चलो,बढ़े चलो।

10

(ग) दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआं उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौवे ने खुजलाईं पांखें कई दिनों के बाद

अथवा

वे सजग रहते थे सदा दुख-पूर्ण तृष्णा-भ्रांति से,
जीवन बिताते थे सदा संतोष-पूर्वक शांति से।
इस लोक में उस लोक से वे अल्प सुख पाते न थे,
हँसते हुए आते न थे, रोते हुए जाते न थे॥

प्रश्न:5 किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए-

क. हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय
ख. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
ग. कृष्ण भक्ति-धारा की प्रमुख विशेषताएं
घ. भारतेन्दु युग
ङ. विज्ञापन में हिन्दी

5•3=15

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4456 E

Unique Paper Code : 52051223

Name of the Paper : Hindi C

Name of the Course : B.Com. (Prog.) Hindi

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (5×3=15)

(क) हिन्दी का भौगोलिक विस्तार

(ख) पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ

(ग) आदिकालीन हिन्दी कविता

(घ) कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ

(ङ) छायावाद

P.T.O.

2. कबीर का साहित्यिक परिचय दीजिए।

अथवा

सूरदास की वात्सल्य-भावना पर विचार कीजिए। (10)

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित बिहारी के दोहों का भावार्थ बताइए।

अथवा

घनानन्द का साहित्यिक परिचय लिखिए। (10)

4. 'पुष्प की अभिलाषा' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कवि धूमिल की सीहित्यिक विशेषताएँ बताइए। (10)

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बृच्छ कबहूँ नहिं फल भखै, नदी न संचौ नीर ।। (10)

परमारथ के कारने, साधुन धरा सरीर ।।

अथवा

इंद्रि सिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।
तुम तौ सखा स्याम सुंदर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारै नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस ।।

(ख) मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परैं, स्यामु हरित-दुति होइ ।।

अथवा

रावरे रूप की रीति अनूप, नयौ नयौ लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै ।।
एक ही जीव हुतौ सुतौ वारयौ, सुजाना संकोच औ सोच सहारियै ।।
रोकी रहै न, दहै घनआनंद बावरी रीझ के हाथनि हारियै ।।

(10)

(ग) मुझे तोड़ लेना बनमाली!
उस पथ पर देना तुम फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जावें वीर अनेक!

अथवा

एक आदमी

रोटी बेलता है

एक आदमी रोटी खाता है

एक तीसरा आदमी भी है

जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है

वह सिर्फ रोटी से खेलता है। (10)

(100)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3257 **A**

Unique Paper Code : 2051001001

Name of the Paper : Hindi Bhasha : Sampreshan Aur Sanchar (A) (AEC)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'संप्रेषण मानव जीवन में सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (12)

अथवा

संप्रेषण प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए उसके बाधक तत्वों पर प्रकाश डालिए।

2. संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों का सविस्तार वर्णन कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

संचार के विभिन्न प्रकारों को सोदाहरण समझाइए।

3. अभाषिक संप्रेषण की विशेषताएँ बताते हुए संप्रेषण में उसकी भूमिका को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

दिल्ली के कूड़ा निस्तारण योजना अभियान पर एक सर्वेषण रिपोर्ट तैयार कीजिए।

4. डायरी लेखन का आशय और उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। अपने जीवन की किसी महत्त्वपूर्ण घटना का डायरी लेखन के अंश के तौर पर उल्लेख कीजिए। (12)

अथवा

ब्लॉग लेखन किसे कहते हैं? सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में इससे होने वाले फायदे का उल्लेख कीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए : (6+6)

(क) भ्रामक संप्रेषण

(ख) फीड बैक

(ग) संवाद लेखन

(घ) संपादकीय से अभिप्राय

(10,000)

This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 702 A

Unique Paper Code : 52051222

Name of the Paper : MIL, Hindi-B Hindi Bhasha aur Sahitya

Name of the Course : B. Com (Prog.)

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (10,10,10)

(क) अति आनंद उमगि अनुरागा चरण सरोज पखारन लागा।।

P.T.O.

बरषि सुमन सुर सकल सिहाहीं। एहि सम पुन्यपुंज कोउ नाहीं।।

अथवा

कस्तूरी कुंडली बसै, मृग ढूंढै वन माँहि ।

ऐसै घटि -घटि राम हैं, दुनिया देखै नाँहि।

(ख) सजि चतुरंग -सैन अंग में उमंग धारि,

सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है।

भूषण भनत नाद-बिहद नगारन के,

नदीनद मद गैबरन के रलत है।

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल-गैल,

गजन की छैलपैल सैल उसलत हैं।

अथवा

बतरस- लालच लाल की मुरली धरी लुकाय।

सोहैं करै भौहनु हँसै, दैन कहै नटि जाइ ।।

(ग) वृक्ष हों भले खड़े,

हों घने हों बड़े,

एक पत्र छाँह भी,

माँग मत, माँग मत, माँग मत

अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।

अथवा

अरुण यह मधुमय देश हमारा।

जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।

सरल तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरुशिखा मनोहर।

छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा।

2. किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिये। (10)

(क) तुलसी

(ख) कबीर

3. भूषण की काव्यगत विशेषताएं लिखिए। (10)

P.T.O.

अथवा

बिहारी के काव्य में व्यक्त श्रृंगार - भावना को स्पष्ट कीजिए।

4. 'अग्निपथ' कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिये। (10)

अथवा

अरुण यह मधुमय देश हमारा गीत में व्यक्त राष्ट्रीय भावना के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

5. किसी तीन पर टिप्पणी लिखिए : (5,5,5)

(i) आधुनिक भारतीय भाषाएँ

(ii) आदिकालीन साहित्य

(iii) संत काव्य की प्रवृतियां

(iv) प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृतियां

(v) भारतेन्दुकालीन राष्ट्रीय कविता

(vi) हिन्दी कहानी

(200)

Unique Paper Code : 12057612

Name of the Paper : Hindi Rangmanch

Name of the Course : B.A.(Hons.) Hindi CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

निर्देश :

1. उत्तर के पूर्व प्रश्नों को अच्छी तरह समझने का प्रयास करें |
2. छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें |
3. प्रत्येक प्रश्न का अंक विभाजन (18.75) समान होगा |

प्रश्न :

1. पारंपरिक रंगमंच की किन्हीं दो शैलियों का सामान्य परिचय लिखिए |
2. भारतीय प्राचीन प्रदर्शन परंपरा के स्वरुप का विवेचन कीजिए |
3. हिन्दी रंगमंच में पृथ्वी थिएटर व् इप्टा के अवदान का मूल्यांकन कीजिए |
4. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली की भूमिका और महत्व को स्पष्ट कीजिए|
5. आधुनिक हिन्दी रंगमंच की विविध शैलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए |
6. भिखारी ठाकुर के व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि का विवेचन कीजिए |

सेट 2

- कोर्स - बी। ए {हिन्दी ऑनर्स }
- यूनिक पेपर कोड -12057611
- शीर्षक : अवधारणात्मक साहित्यिक पद
- सेमेस्टर : VI

पूर्णांक : 75 समय : 3 घंटे

आवश्यक निर्देश :

1. उत्तर के पूर्व प्रश्नों को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करें.
2. छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें.
3. प्रत्येक प्रश्न का अंक-विभाजन समान होगा.

प्रश्न- 1 अलंकार शब्द का अर्थ बताते हुए रूपक अलंकार के भेदों को सोदाहरण लिखिए।

प्रश्न- 2 वीर रस की परिभाषा एवं उसके भेद उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न- 3 संरचनावाद क्या है? उत्तर संरचनावाद से वह कैसे भिन्न है? स्पष्ट कीजिए

प्रश्न -4 उपन्यास के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न- 5 विरेचन सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न- 6 भारतीय काव्यशास्त्र के संदर्भ में काव्य लक्षण स्पष्ट कीजिए।

SET -2

Course : Hindi Hons.

Unique Paper Code : 12051601

Paper Name : हिंदी आलोचना

Semester : VI

Total Marks : 75

Time Duration : 3 hours

आवश्यक निर्देश :

1. **उत्तर के पूर्व प्रश्नों को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करें ।**
2. **छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।**
3. **प्रत्येक प्रश्न 18.75 अंक का होगा ।**

प्रश्न -1. हिंदी आलोचना की परंपरा के विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न -2. 'कविता का भविष्य' पाठ के आधार पर आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न -3. 'आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएं ' पाठ में साहित्य की किन आधुनिक मान्यताओं पर चर्चा की गई है ? विस्तार से लिखिए।

प्रश्न -4. पाठक्रम में निर्धारित पाठ के आधार पर नगेन्द्र जी की आलोचना -दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-5. 'कहानी :अच्छी और नई 'का पाठ कथासमीक्षा की नई पद्धति निकलने की कोशिश है।इस पर विस्तार सहित चर्चा कीजिए।

प्रश्न-6. दूसरे सप्तक की भूमिका के आधार पर अज्ञेय के विचारों को रखांकित कीजिए ।

SET -B

कोर्स B.A.(H) HINDI

यूनिक पेपर कोड-12057608

शीर्षक- हिन्दी की भाषिक विविधताएं

सेमेस्टर- VI

पूर्णांकः 75

समयः 3 घंटे

<u>आवश्यक निर्देशः</u>

1. उत्तर देने के पूर्व प्रश्नों को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करें।
2. छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।
3. प्रत्येक प्रश्न का अंक-विभाजन समान होगा।

1. बिहारी ,बम्बइया और कलकतिया हिन्दी के क्षेत्रीय रूपों की विशेषताएं लिखिए।
2. आधुनिक साहित्यिक हिन्दी के संदर्भ में हिन्दी की भाषिक विविधता का वर्णन कीजिए।
3. अमीर खुसरो की मुकरियों का प्रतिपाद्य लिखिए।
4. गालिब की शायरी तत्कालीन समाज का चेहरा उजागर करती है- स्पष्ट कीजिए।
5. रानी केतकी की कहानी की संवेदना और शिल्प पर प्रकाश डालिए।
6. निर्धारित पदों के आधार पर कबीर की रहस्य-भावना पर प्रकाश डालिए।